असफलता के बाद भी

इस तरह बनाए रखें अपना उत्साह

वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को असफलता में भी मोटिवेटेड बनाए रखती है? अपनी असफलता के कड़वे अनुभव से उबरकर फिर से उसी दिशा में प्रयासरत रहने के लिए यह जानना जरूरी है।

दुनिया के सारे सफलतम लोगों ने अपनी जिंदगी में कभी-न-कभी असफलता का कड़वा घूंट जरूर पिया है। जब कभी हम उनकी सफलता की कहानियां सुनते हैं, उनकी शुरुआती असफलता के किस्से भी सुनने को मिलते हैं। यह अलग बात है कि हम सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि असफलता को देखना भी नहीं चाहते हैं। हम वॉल्ट डिज्नी की सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि यह भूल जाते हैं कि एक अखबार के एडिटर ने उन्हें

कल्पनाशीलता का अभाव बताकर नौकरी से निकाल दिया था। जब कोबे ब्रायंट अपने पहले बॉस्केटबॉल कैंप में गए तो वहां उन्होंने एक भी पॉइंट नहीं हासिल किया था। हममें से कितने लोगों ने टर्फ-ओ-डेटा का नाम सुना है?

माइक्रोसॉफ्ट से पहले यही बिल गेट्स का वेंचर था। यह काम नहीं कर पाया और माइक्रोसॉफ्ट सफल हो गया। दुनिया में इस तरह के किस्सों की भरमार है। विंसेंट वॉन गॉग के जीवनकाल में उनकी महज एक पेंटिंग बिकी थी। लेकिन उन्होंने जीवन भर पेंटिंग बनाई! मूल बात यह है कि वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को

नियंत्रण हाथ में लें

जब आपके आसपास विपरीत चीजें होने लगती है तो ऐसा लगना स्वाभाविक है कि चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं। और सच यह है कि ज्यादातर दुर्भाग्यपूर्ण मामलों में हकीकत में स्थिति आपके नियंत्रण में नहीं ही होती है। जैसे परिवार में किसी का बीमार होना या फिर आपकी कंपनी के कॉस्टकटिंग अभियान में आपका भी नाम होना।

(अ) कई बार लगता है कि आप स्थितियों पर स्वयं नियंत्रण किए हुए हैं और आप उन्हें प्रभावित कर सकते हैं। जब आपमें यह विचार आने लगे तो आपमें आत्मविश्वास आता है और आप तनाव व दबाव को अपने आप कम महसूस करते हैं।

(ब) जब स्थितियां ऐसी हों कि आपके करने के लिए कुछ न हो व आपको यह महसूस होने लगे कि परिस्थितियां आपके जीवन को निर्धारित करने लगी हैं, तब तनाव ज्यादा महसूस होता है निराशा हावी होने लगती है।

कई सारे अध्ययन यह बताते हैं कि जब आप कोई निर्णय लेते हैं तो आपमें आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और आप कुछ करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद को पहचानने और अपना आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए अपने जीवन से जु? छोटे-छोटे निर्णय लेते रहें। इससे आपमें प्रेरणा उत्पन्ना होगी। जैसे यदि आपका वजन ज्यादा है तो उसे कम करने के बारे में निर्णय लें। सीधी-सी बात यह है कि आप कोई निर्णय लें ताकि उसकी दिशा में आप काम करना शुरू करें। हालांकि इसका आपकी निराशा से संबंध हो या न हो... यह आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव जरूर लाएगा।

खुद को भी कारण बताएं

मानवीय स्वभाव ऐसा है कि वह हर चीज के पीछे कारण ढूंढता है। यदि आप किसी वजह से असफल हुए हैं तो खुद को कोई कारण जरूर दें। जैसे यदि किसी परीक्षा में हम असफल हुए हैं तो हमें लगता है कि हमारी ही तैयारी में कुछ कमी रह गई होगी। थोड़ा ज्यादा वक्त पड़ने में देते या ज्यादा ध्यान देते... इससे आपकी निराशा और

गहरी हो जाती है। इसके बजाए ऐसा करें कि खुद को यह बताएं कि हो सकता है थोड़ी मेहनत में कसर रह गई, लेकिन इस परीक्षा से एक अनुभव मिला। पता चला कि इसमें कैसे और क्या पड़ा जाना था, कैसी तैयारी की जानी थी। इससे आपकी निराशा कुछ कम होगी।

हर चीज को व्यक्तिगत तौर पर न लें

जब कभी जीवन में मुश्किल वक्त आता है, तब उसके लिए हम खुद को ही जिम्मेदार मानते हैं। गलत निर्णय ले लिया, फिर क्षमता से ज्यादा बड़ा दांव खेल लिया। ऐसा करके हम अक्सर अपना ही मनोबल कमजोर करते हैं। इसमें होता यह है कि मुश्किलें जितनी बड़ी होती नहीं है, उससे ज्यादा ब?ी नजर आने लगती हैं। हमेशा मोटिवेटेड रहने के लिए जरूरी है कि चीजों के प्रति तटस्थ दृष्टिकोण अपनाया जाए। हर चीज के लिए खुद को दोष देना बंद करें। देखने की कोशिश करें कि आपकी कमी के अतिरिक्त भी और क्या चीजें है जिनकी वजह से आप असफल हुए। यह आपको एक तरह से राहत देगा। साथ ही यह भी होगा कि आप अपनी कमी इत्मीनान से दुरुस्त कर पाएंगे।

अगर आपको भी अपनी नौकरी से परेशानी, तो अपनाएं ये टिप्स

जल्द मिलेगी नई नौकरी

नौकरी करने वाले लोगों में आपने शायद ही कोई ऐसा देखा होगा, जिसे अपनी जॉब से कोई प्रॉब्लम न हो. ज्यादातर लोगों को नौकरी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर होती है और इसी कारण बहुत से लोग जॉब स्विच करने के बारे में सोचते रहते हैं. अगर आपको भी अपनी जॉब से प्रॉब्लम है और नई नौकरी पाना चाहते हैं तो इसके लिए फॉलो करें ये आसान टिप्स...



नेटवर्किंग

दूसरी नौकरी पाने में जो चीज सबसे ज्यादा आपके काम आती है, वो है नेवर्किंग. फील्ड में रह कर बनाए गए कॉन्टैक्ट्स जॉब चेंज करने में काफी मदद करते हैं. किस कंपनी में जॉब वैकेंसी और किसमें नहीं ये आपके कॉन्टैक्ट्स ही आपको बताते हैं. इसलिए भले ही आप ऊंचे से ऊंचे मुकाम तक क्यों न पहुंच जाएं, कभी भी लोगों से अपना संपर्क न तोड़ें.

इवेंट्स करें अटेंड

नई नौकरी पाने के लिए आपको अलग-अलग संस्थानों या फिर चैरिटी द्वारा आयोजित किए गए इवेंट्स में शामिल होना चाहिए. आपको इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए और हर मीटिंग में अपनी फील्ड से जुड़े कम से कम एक व्यक्ति से जरूर मिलना चाहिए. क्या पता कब कौन जॉब दिलाने में आपकी मदद कर दे.

लिंक्डइन का उठाएं फायदा

लिंक्डइन पर अकाउंट बनाने का फायदा आपको आपकी मनपसंदीदा जॉब भी दिला सकता है. लिंक्डइन सही लोगों से जुड़ने का एक पावरफुल माध्यम है. यहां पर आप अपने टारगेट मार्केट (जिसमें आप नौकरी ढूंढ रहे हों) को सर्च कर सकते हैं. लिंक्डइन के हर एक सेक्शन में अगर आप सही जानकारी फिल करते हैं और अपनी सर्च में सही कीवर्ड्स का इस्तेमाल करते हैं तो इससे दूसरों को आपके बारे में बेहतर पता चल पाता है.

जॉब साइट्स पर बनाए रखें नजर

नई जॉब तलाश रहे लोगों को नौकरी.कॉम या फिर शाइन.कॉम जैसे जॉब पोर्टल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आपको समय-समय पर अपना सीवी भी अपडेट करते रहना चाहिए. इसके अलावा जॉब से जुड़े ई-मेल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आप नई नौकरियों के अपडेट्स के लिए अन्य जॉब वेबसाइट्स या फिर अखबार का भी सहारा ले सकते हैं.

आकर्षक पैंकेजिंग में भी है करियर

जो दिखता है, वह बिकता है। यह सिर्फ एक पंचलाइन नहीं, आज की बिजनेस कंपनियों की सफलता का मंत्र भी है। दवाओं से लेकर खाने-पीने के सामान और सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए पैकेजिंग एक ऐसा मार्केटिंग टूल है, जो साइलेंट सेल्सपर्सन का काम करता है। याद कीजिए, हम खुद कितनी बार स्टोर से कई चीजें सिर्फ इसलिए खरीद लेते हैं, क्योंकि उनकी पैकिंग दिखने में बहुत आकर्षक लगती है। कई बार तो हम-आप किसी उत्पाद के डिब्बे या बॉटल को सहेजकर भी रख लेते हैं, उसे फेंकना नहीं चाहते। दरअसल, यही पैकेजिंग का जादू है, जो न केवल ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींचे, बल्कि उन्हें खरीदने के लिए मजबूर भी कर दे। मॉल और ऑनलाइन मार्केटिंग के इस दौर में अपने उत्पादों को नए-नए रूप-रंग में पेश करने पर सभी कंपनियों का जोर है। इस कारण इस फील्ड में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों तरह की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए करियर की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

बढ़ रही है इंडस्ट्री

फिक्की-टीएसएमजी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्तमान में विश्व



के टॉप-10 पैकेजिंग उपयोगकर्ता देशों में शुमार हो चुका है। ऐसा इसलिए कि रिटेल और ई-कॉमर्स में आए बूम के कारण पैकेजिंग की मांग यहां कई गुना बढ़ गई है। हालांकि भारत में प्रति व्यक्ति पैकेजिंग की खपत अभी सिर्फ 4.3 किलो है, जबकि जर्मनी और चीन में यह क्रमश: 42 किलो और 19 किलो है।

वैसे तो पैकेजिंग का इस्तेमाल आजकल हर चीज में हो रहा है लेकिन दवा, खाने-पीने के सामान, पेय पदार्थ, सौंदर्य उत्पाद, आईटी व इलेक्ट्रॉनिक उपरकरण बनाने वाली कंपनियों को पैकेजिंग की जरूरत कहीं ज्यादा होती है, जहां हर समय पैकेजिंग के स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग रहती है। ऐसे प्रोफेशनल्स किसी भी सेवा प्रदाता कंपनी में मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, पैकेजिंग स्पेशलिस्ट, मटेरियल मैनेजर, डिलिवरी एरिया मैनेजर तथा क्वॉलिटी एनालिस्ट जैसे पदों पर अपनी सेवाएं देते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

पैकेजिंग टेक्नोलॉजी या डिजाइन में संबंधित कोर्स अभी देश के कुछेक संस्थानों में ही संचालित हो रहे हैं, जहां से पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम किया जा सकता है। यह कोर्स साइंस, इंजीनियरिंग या अन्य पृष्ठभूमि के युवा 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। आईआईपी के संस्थानों में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

सैलरी कितनी?

पैकेजिंग उद्योग कमाई के मामले में भी अच्छा माना जाता है। इंडियन पैकेजिंग इंस्टीट्यूट जैसे संस्थान से दो वर्षीय कोर्स करने के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 25 से 30 हजार रुपए महीना तक सैलरी आसानी से मिल जाती है।

प्रमुख संस्थान

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी), दिल्ली/ मुंबई

गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार

पूसा पॉलिटेक्निक, नई दिल्ली

उत्पाद को खूबसूरत बनाने का दौर आईटी की तरह ही अब पैकेजिंग में भी बूम का दौर है। फूड, गारमेंट या ऑटोमोबाइल जैसे सभी तरह के उत्पादों को पैकेजिंग चाहिए। फिर चाहे यह पेपर पैकेजिंग हो या फिर प्लास्टिक, वुड या मेटल पैकेजिंग। रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों का बाजार लगातार ब? रहा है। इसे भी लॉजिस्टिक्स या ट्रांसपोर्टेशन के लिए अलग तरह की पैकिंग की जरूरत होती है। स्कोप यहां बहुत है। कोर्स करने के बाद आप क्वॉलिटी कंट्रोल, परचेज/ मार्केटिंग, आर एंड डी, प्रोडक्शन या पैकेज डिजानिंग जैसी किसी भी विंग में जॉब पा सकते हैं। युवाओं को सैलरी भी शुरुआत में ही एमबीए स्टूडेंट से कहीं ज्यादा मिलती है। मगर इस फील्ड में उन्हीं को आना चाहिए, जो क्रिएटिव हों।

- डॉ तनवीर आलम,

(नेशनल पैकेजिंग इंस्टीट्यूट, दिल्ली)

आने वाले वर्षों में खत्म हो जाएंगी

ये 10 नौकरियां

दिनोदिन एडवांस होती टेक्नोलॉजी ने जिंदगी को तो आसान बनाया है पर कुछ नौकरियों को भी इसने खत्म किया है. याद कीजिए कि आपने आखिरी बार कब किसी पीसीओ से कॉल किया था? या किसी रिसेप्शनिस्ट से दूर बैठे अपने रिश्तेदार को कॉल मिलाने के लिए कहा था? और कब किसी लिफ्टमैन को अपना फ्लोर बताया था. कुल मिलाकर इस माहौल में मैनपावर की जगह मशीनों ने ले ली है. हम भी पूरी तरह से टेक्नोलॉजी पर निर्भर हो गए हैं. अब जितनी तेजी के साथ टेक्नोलॉजी एडवांस हो रही है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले करीब दस सालों में कुछ और नौकरियां खत्म होने जा रही हैं. यहां हम ऐसी ही कुछ नौकरियों पर नजर डालते हैं जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है.



लाइब्रेरियन

अब लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट में किताब पढ़ने लगे हैं. ई-बुक्स व ऑडियो बुक्स आसानी से उपलब्ध है. धीरे-धीरे इस रुझान को अपनाने वालों की संख्या में तेजी के साथ वृद्धि हो रही है. रोबोट्स किताब ढूंढ़ने में आपकी मदद करेंगे. ऐसे में अब लाइब्रेरी में मैनपावर की पहले जितनी अहमियत नहीं रह गई है.

बीपीओ कर्मचारी

इस बात की भी चर्चा है कि बीपीओ/कॉल सेंटर इंडस्ट्री में ऑटोमेशन की वजह से बीपीओ कर्मियों की जरूरत कम होती जाएगी. हर कंपनी धीरे-धीरे चैटबॉट्स को अपनाएगी.

फायटर पायलट

निकट भविष्य में मानवरहित फायटर जेट्स का ज्यादा महत्व होगा.

पोस्टमैन

ईमेल, मैसेज, व्हाट्सएप और स्काइप जैसे तमाम एप ने एक जगह से दूसरी जगह संदेश पहुंचाना बेहद आसान बना दिया है. ऐसे में पोस्टमैन और कुरियर कंपनियों का काम होता जा रहा है.

पार्किंग लॉट अटेंडेंट

ऑटोमेशन की वजह से पार्किंग लॉट अटेंडेंट की नौकरी भी खत्म हो जाएगी. पार्किंग प्लाजा को ऑटोमेटिड बनाया जाएगा.

न्यूजपेपर ब्वॉयज

लोग अपन खबरें पढ़ने के लिए अपना मोबाइल उठाने लगे हैं. लोग अपने स्मार्टफोनों पर पहले ही सभी खबरें पढ़ लेते हैं. वीडियो व तस्वीरें देख लेते हैं. ऐसे में अगर न्यूजपेपर प्रचलन से खत्म हो रहे हैं तो घर पर न्यूजपेपर डिलीवर करने वाले ब्वॉय की नौकरी ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाली.

बस कंडक्टर

अब धीरे-धीरे बस में मशीन लगाने की तैयारी है. जो कि कंडक्टर का काम करेगी. इस बस में कंडक्टर की जरूरत नहीं होगी. लोग मशीन से टिकट प्राप्त कर लेंगे.

टोल प्लाजा ऑपरेटर

धीरे-धीरे यहां भी ऑटोमेशन आ रहा है. बहुत से लोग डिजिटल वॉलेट से पेमेंट कर देते हैं.

प्रिंट जर्नलिस्ट

ऑनलाइन खबरें पढ़ी जाने से अखबारों का काम मंदा होता चला जाएगा. ऐसे में प्रिंट मीडिया के पत्रकार की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है.

सेक्रेटरी

अब आपका स्मार्टफोन ही आपका पर्सनल सेक्रेटरी बनता जा रहा है. एक वक्त था जब बॉस को उसका काम याद दिलाने के लिए सेक्रेटरी होता या होती थी. लेकिन अब उसकी जगह तेजतर्रार स्मार्टफोनों ने ले ली है.

ड्रीम करियर के लिए बढ़ाएं ये 6 कदम

अपने लिए सही करियर का चुनाव करना एक ऐसा निर्णय है, जो आपका जीवन बदल सकता है। इसलिए यह निर्णय लेने के लिए खुद को पर्याप्त समय दें और उचित चिंतन-मनन करने के बाद ही कोई फैसला करें। इस फैसले से पहले ये छह कदम जरूर उठाएं।

1. **अपनी कार्यशैली का आंकलन :** आप उसी जॉब में सहज रह सकेंगे, जो आपकी कार्यशैली के अनुकूल हो। खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आप अपने बल पर ही अपने लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं या फिर आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कार्यस्थल का अनुशासित माहौल चाहिए? क्या आपको घूमना पसंद है या फिर एक जगह बैठकर काम करना पसंद करते हैं? लोगों से मिलना-जुलना पसंद है या फिर अकेले रहना?
2. **अपनी संभावनाओं को तौलें :** कोई निर्णय लेने से पहले यह देखें कि आपकी क्या क्षमताएं हैं और आपकी पसंद के क्षेत्र में सफल होने के लिए किन क्षमताओं की जरूरत है। उस क्षेत्र के बारे में थोड़ी रिसर्च करके देखें कि उसमें कौन-सी स्किल्स और योग्यताएं चाहिए होती हैं और क्या आपमें वे हैं?
3. **अपनी रुचि व प्रतिभा जानें :** कभी-कभी आपकी हॉबी भी आपका करियर बन सकती है। यदि आपकी कोई हॉबी है या किसी क्षेत्र में आपके पास विशेष प्रतिभा है, तो उसे अपना प्रोफेशन बनाने के बारे में गंभीरता से सोचें। जो काम आप सहजता से कर लेते हैं, उसे ही अपना करियर बनाने पर विचार करें।
4. **जैसा सपना, वैसा करियर :** आपके आर्थिक लक्ष्य क्या हैं? यह भी इस बात के लिए बहुत मायने रखता है कि आप कौन-सा करियर चुनते हैं। यदि आप किसी मेट्रो शहर में आलीशान मकान में रहने का ख्वाब पाले हुए हैं, तो क्लर्क की नौकरी आपका यह लक्ष्य पाने में मददगार नहीं होगी। अगर बड़ा लक्ष्य रखा है, तो कुछ बड़ा सोचना पड़ता है और बड़ी मेहनत करनी पड़ती है।
5. **सेल्फ-असेसमेंट टूल्स :** कुछ सेल्फ-असेसमेंट टूल्स का इस्तेमाल कर आप विभिन्न करियर ऑप्शंस में से कुछ को अपनी लिस्ट में से हटाकर अपना चुनाव कुछ आसान कर सकते हैं। विभिन्ना क्षेत्रों में अपनी योग्यता को परखने के लिए ऑनलाइन जॉब डिस्क्रिप्शन, क्विज, करियर इंफॉर्मेशन आदि की मदद लें। आपके शहर में कोई करियर काउंसलिंग सेमीनार हो रहा हो, तो उसमें शामिल हों।
6. **धैर्य रखें :** धैर्य रखना बहुत जरूरी है क्योंकि करियर का चुनाव करना एक प्रक्रिया है, न कि कोई इवेंट जिसे झटपट पूरा करना है। इसलिए जल्दबाजी न करें।

लिखने का हुनर है तो कैप्शन राइटर अच्छा कॅरियर विकल्प

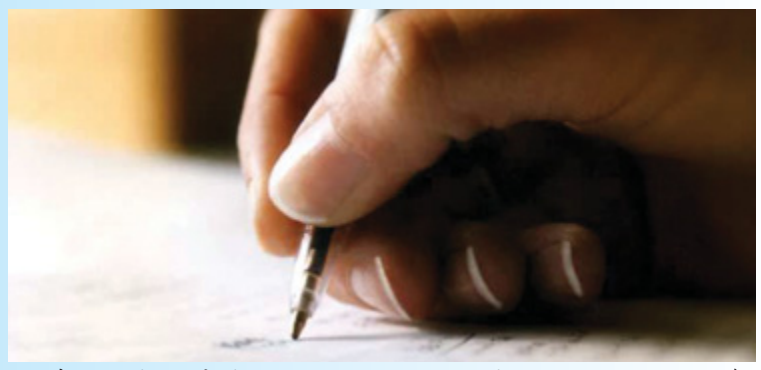
वर्तमान समय में, लेखन का दायरा काफी विस्तृत हो गया है। हर क्षेत्र के लिए एक्सपर्ट की डिमांड की जाने लगी है। वैसे तो लिखने की कला हर किसी में नहीं होती। लेकिन अगर आपमें लिखने की जिज्ञासा व हुनर भी है तो आप अपने इस हुनर को अपना भविष्य बना सकते हैं। आज मीडिया जगत से लेकर मनोरंजन उद्योग में कैप्शन राइटर की काफी डिमांड है। आप भी अपने लेखन के दम पर इस क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्या होता है काम

एक कैप्शन राइटर का मुख्य काम टेलीविजन प्रोग्राम व फिल्मों की स्क्रीन पर दिखाने के लिए कैप्शन लिखना होता है। वे डॉयलॉग्स और कुछ साउंड्स का भी अनुवाद करते हैं, जिससे श्रवण बाधित व्यक्ति भी आसानी से फिल्म व सीरियल देख सकें। चूंकि आजकल एक ही फिल्म कई भाषाओं में व अलग-अलग देशों में रीलिज की जाती हैं, इसलिए अलग-अलग भाषाओं के लिए कैप्शन लिखना भी कैप्शन राइटर का ही काम होता है। वह न सिर्फ अंग्रेजी संवाद का विभिन्न भाषा में अनुवाद करते हैं, बल्कि भारतीय भाषा संवादों का भी अंग्रेजी में अनुवाद करते हैं। वह न सिर्फ कैप्शन लिखते हैं, बल्कि टेलीविजन प्रस्तुति के मास्टर टेप पर कैप्शनों की एनकोडिंग के समय देख-रेख भी करते हैं।

स्किल्स

एक अच्छा कैप्शन राइटर बनने के लिए सिर्फ विभिन्न भाषाओं का ज्ञान होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आपकी उन पर अच्छी पकड़ भी होनी चाहिए ताकि आप आसानी से अनुवाद



कर सकें। साथ ही आपको मीडिया प्रॉडक्शन, संचार व प्रसार तकनीकों का भी ज्ञान होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपमें बढ़िया लेखन कौशल, पढ़ने की समझ, श्रवण क्षमता व व्याख्यान क्षमता भी होनी चाहिए। आपका काम कंप्यूटर से जुड़ा है, इसलिए इसकी अच्छी नॉलेज होनी भी बेहद जरूरी है। आपको पढ़ने का शौक भी होना चाहिए ताकि आप हर दिन कुछ नया सीख सकें और उसका प्रयोग अपने लेखन में भी कर सकें। आपका सेल्फ लर्नर व हार्डवर्किंग होना भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए अलग से कोई विशेष कोर्स उपलब्ध नहीं है। लेकिन आप अपने लेखन में तकनीकी कौशल को बढ़ाने व उसे सशक्त बनाने के लिए ग्रेजुएशन के बाद ट्रेनिंग कर सकते हैं। चूंकि एक कैप्शन राइटर के स्किल्स कोर्ट रिपोर्टिंग से काफी मिलते-जुलते होते हैं, इसलिए कोर्ट रिपोर्टिंग स्कूल्स भी कैप्शन राइटर्स के लिए कोर्स उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त नेशनल कैप्शनिंग इंस्टीट्यूट भी कैप्शनिंग प्रोफेशन के लिए जानकारी व संसाधन उपलब्ध कराता है। वैसे आप चाहें तो पत्रकारिता व जनसंचार, विजुअल कम्युनिकेशन, विज्ञापन व अंग्रेजी साहित्य में डिग्री प्राप्त करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं

चूंकि मीडिया व मनोरंजन उद्योग देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, इसलिए कैप्शन राइटर के लिए भी जॉब की कोई कमी नहीं है। आप नेशनल, लोकल मीडिया कंपनी व ब्रॉडकॉस्टिंग कंपनी में भी काम तलाश कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप पेपर्स व वेब पोर्टल में भी अपना हुनर दिखा सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में फ्रेशर्स 15000 से 18000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। वहीं एक-दो वर्ष के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 25000 से 30000 रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है।